य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 04 | अंक 100 | पृष्ठ 18 (14+4) | मूल्य 5.00 | झुंझुनूं, बुधवार, 14 जनवरी, 2026 | माघ कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2082

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

# व्यक्ति अपनी भाषा के प्रति रखें गर्व का भाव

**पिलानी.** आयोजन में वार्षिक पत्रिका का विमोचन करते अतिथि।

**पिलानी.** केन्द्रीय इलैक्ट्रोनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्यानख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंद्रमणि मंडेलिया शिक्षा निकेत के प्रोफेसर नितेन्द्र पाठक मुख्य वक्ता थे। उन्होंने ने वैश्विक और भारतीय परिदृश्य में हिंदी के प्रभाव, प्रभुत्व और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। पाठक ने कहा कि व्यक्ति को अपने विकास के लिए अधिक से अधिक भाषाएं सीखनी चाहिए परंतु अपनी भाषा के प्रति हमेशा गर्व का भाव रखना चाहिए। उन्होंने हिंदी को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी भाषा बताते हुए भारत में सर्वाधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा की विश्व में बढ़ती भूमिका पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीरी संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुचंदन पाल ने की। उन्होंने विश्व हिंदी दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हुए हिन्दी के वैश्विक भाव से जुड़ी जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्थान की वार्षिक विज्ञान पत्रिका 'इलेक्ट्रॉनिक दर्पण, का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वार्षिक पत्रिका के सम्पादन मण्डल को अतिथियों ने सम्मानित किया।इससे पहले संस्थान के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी रमेश बौरा ने हिन्दी भाषा में समय के साथ शामिल हो रहे अन्य भाषाओं के शब्दों से कार्यालयी हिन्दी पर चर्चा की। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अयन कुमार बंद्योपाध्याय ने आभार जताया। आयोजन में डॉ सुचंदन पाल, पीएमई प्रमुख प्रमोद तंवर सहित के नेतृत्व में वैज्ञानिक समुदाय उपस्थित रहा।